# मालाबार विद्रोह

## प्रलिम्सि के लिये:

मालाबार विद्रोह, वरयिमकुन्नाथु कुन्हाहमद हाजी, महात्मा गांधी, असहयोग आंदोलन, टीपू सुल्तान।

## मेन्स के लिये:

मालाबार विद्रोह, आधुनिक भारतीय इतिहास, भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन।

## चर्चा में क्यों?

हाल ही में भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद (ICHR) ने वर्ष **1921 के मालाबार विद्रोह** (मोपला विद्रोह) के शहीदों को भारत के स्वतंत्रता सेनानियों की सूची से हटाने की सिफारिश पर अपना निर्णय टाल दिया है।

- सिफारिश में वरयिमकुन्नाथु कुन्हाहमद हाजी और अली मुसलियार के नाम भी शामिल थे।

## भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद:

- **परिचय:**
  - यह एक स्वायत्त संगठन है, जिसकी स्थापना वर्ष 1972 में सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, 1860 के तहत की गई थी।
  - यह शिक्षा मंत्रालय के अधीन है।
- **उद्देश्य:**
  - विचारों के आदान-प्रदान हेतु इतिहासकारों को एक साथ लाना।
  - इतिहास के वस्तुपरक एवं वैज्ञानिक लेखन को राष्ट्रीय दिशा देना।
  - इतिहास में अनुसंधान को बढ़ावा देना और इसका समन्वय करना तथा इसका प्रसार सुनिश्चित करना।
  - परिषद ऐतिहासिक शोध हेतु अनुदान, सहायता और फैलोशिप भी प्रदान करता है।

## पृष्ठभूमि

- सोलहवीं शताब्दी में जब पुर्तगाली व्यापारी मालाबार तट पर पहुँचे, तो उन्होंने देखा कि मप्पिला एक व्यापारिक समुदाय है, जो शहरी केंद्रों में केंद्रित है और स्थानीय हिंदू आबादी से काफी अलग है।
- हालाँकि पुर्तगाली वाणिज्यिक शक्ति में वृद्धि के साथ मप्पिला समुदाय ने खुद को एक प्रतियोगी पाया और नए आर्थिक अवसरों की तलाश में तेज़ी से देश के आंतरिक भागों की ओर आगे बढ़ना शुरू कर दिया।
- मप्पिलाज़ के स्थानांतरण से स्थानीय हिंदू आबादी और पुर्तगालियों के बीच धार्मिक पहचान के लिये टकराव उत्पन्न हुआ।

## मोपला/मप्पिला:

- मप्पिला नाम मलयाली भाषी मुसलमानों को दिया गया है जो उत्तरी केरल के मालाबार तट पर निवास करते हैं।
- वर्ष 1921 तक मोपला ने मालाबार में सबसे बड़े और सबसे तेज़ी से बढ़ते समुदाय का गठन किया। मालाबार की एक मिलियन की कुल आबादी में मोपला 32% के साथ दक्षिण मालाबार क्षेत्र में केंद्रित थे।

## मोपला विद्रोह:

- **परचिय:**
    - मुस्लमि धर्मगुरुओं के उग्र भाषणों और ब्रटिशि वरिधी भावनाओं से प्रेरति होकर मप्पलिाज़ ने एक हसिक वद्रिोह शुरू कयि। साथ ही कई हसिक घटनाओं की सूचना दी गई तथा ब्रटिशि एवं हदिू ज़मींदारों दोनों के खलािफ उत्पीड़न की शकिायत की गई थी।
    - कुछ लोग इसे धार्मकि कट्टरता का मामला बताते हैं, वहीं कुछ अन्य लोग इसे ब्रटिशि सत्ता के खलािफ संघर्ष के उदाहरण के रूप में देखते हैं और कुछ ऐसे भी हैं जो मालाबार वद्रिोह को ज़मींदारों की अनुचति प्रथाओं के खलािफ एक कसािन वद्रिोह मानते हैं। .
    - जबकि इतिहासकार इस मामले पर बहस जारी रखते हैं, इस प्रकरण पर व्यापक सहमतसि पता चलता है कयिह राजनीतकि शक्तकि खलािफ संघर्ष के रूप में शुरू हुआ था जसिने बाद में सांप्रदायकि रंग ले लयिा।

        - अधकिांश ज़मींदार नंबूदरी ब्राह्मण थे, जबकअधकिांश काश्तकार मापल्लिा मुसलमान थे।
        - दंगों में 10,000 से अधकि हदिुओं की सामूहकि हत्याएँ, महलिाओं के साथ बलात्कार, ज़बरन धर्म परवि्रतन, लगभग 300 मंदरिं का वध्विंस या उन्हें क्षतपिहुँचाई गई, करोड़ों रुपए की संपत्तकी लूट और आगजनी तथा हदिुओं के घरों को जला दयिा गया।
- **समर्थन:**
    - प्रारंभकि चरणों में आंदोलन को महात्मा गांधी और अन्य भारतीय राष्ट्रवादी नेताओं का समर्थन प्राप्त था लेकनि जैसे ही यह हसिक हो गया उन्होंने खुद को इससे दूर कर लयिा।
- **पतन:**
    - वर्ष 1921 के अंत तक अंग्रेज़ों ने वद्रिोह को कुचल दयिा था, जन्हिोंने दंगा रोकने के लयि एक वशिष बटालयिन, मालाबार स्पेशल फोर्स का गठन कयिा था।
- **वैगन ट्रैज़डी (Wagon Tragedy)::**
    - नवंबर 1921 में 67 मोपला कैदी उस समय मारे गए थे, जब उन्हें तरिूर से पोदनूर की केंद्रीय जेल में एक बंद माल डब्बिे में ले जाया जा रहा था और दम घुटने से इनकी मौत हो गई। इस घटना को वैगन ट्रैज़डी कहा जाता है।

## कारण:

- **असहयोग और खलिाफत आंदोलन:**
    - वद्रिोह का ट्रगिर का कारण 1920 में कॉन्ग्रेस द्वारा खलिाफत आंदोलन के साथ शुरू कयिा गया असहयोग आंदोलन था।
    - इन आंदोलनों से प्रेरति ब्रटिशि वरिधी भावना ने मुस्लमि मप्पलिाज़ को प्रभावति कयिा।
- **नए काश्तकार कानून:**
    - 1799 में चौथे एंग्लो-मैसूर युद्ध में टीपू सुल्तान की मृत्यु के बाद मालाबार मद्रास प्रेसीडेंसी के हस्सि के रूप में ब्रटिशि अधकिार में आ गया था।
    - अंग्रेज़ों ने नए काश्तकारी कानून पेश कयि थे, जो ज़मींदारों के पक्ष में थे और कसािनों के लयि पहले की तुलना में कहीं अधकि शोषणकारी व्यवस्था थी।
    - नए कानूनों ने कसािनों को भूमकि सभी गारंटीकृत अधकिारों से वंचति कर उन्हें भूमहिीन बना दयिा।

## स्रोत: द हदिू

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/malabar-rebellion